पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने ओ0डी0ओ0पी0–2.0 के सम्बन्ध में समीक्षा की

उ0प्र0 की पहचान बन चुकी 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' आगामी चरण ओ0डी0ओ0पी0–2.0 के माध्यम से स्थानीय उद्योग, स्वरोजगार और निर्यात को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार : मुख्यमंत्री

ओ0डी0ओ0पी0–2.0 के माध्यम से सरकार का लक्ष्य होगा कि प्रदेश के पारम्परिक उत्पाद बड़े बाज़ार, निर्यात और स्थायी रोजगार का मजबूत आधार बनें

प्रत्येक जनपद की विशिष्ट खाद्य परम्परा को एक संगठित पहचान देने की दिशा में 'एक जनपद–एक व्यंजन' (ओ0डी0ओ0सी0) की अवधारणा को साकार करने की आवश्यकता

'ओ0डी0ओ0पी0' और 'ओ0डी0ओ0सी0' योजनाएं मिलकर प्रदेश को 'लोकल से ग्लोबल' की दिशा में नई गति देंगी

ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद प्रतिष्ठित ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध, राज्य के कुल निर्यात में इनका योगदान 50 प्रतिशत से अधिक

ओ0डी0ओ0पी0 योजना को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुका

ओ0डी0ओ0पी0 से जुड़े कॉमन फैसिलिटी सेण्टरों को अब और अधिक उपयोगी बनाया जाएगा

लखनऊ : 05 दिसम्बर, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि ब्राण्ड उत्तर प्रदेश की पहचान बन चुकी 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' अब अपने आगामी चरण ओ0डी0ओ0पी0–2.0 के माध्यम से स्थानीय उद्योग, स्वरोज़गार और निर्यात को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है। बदलते वैश्विक बाजार, आधुनिक मांग, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता और पैकेजिंग की नई आवश्यकताओं को देखते हुए ओ0डी0ओ0पी0 को अब और अधिक व्यापक, व्यावसायिक और परिणामोन्मुखी स्वरूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। ओ0डी0ओ0पी0–2.0 के माध्यम से सरकार का लक्ष्य होगा कि प्रदेश के पारम्परिक उत्पाद बड़े बाजार, निर्यात और स्थायी रोजगार का मजबूत आधार बनें।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में ओ0डी0ओ0पी0–2.0 के सम्बन्ध में समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक जनपद की विशिष्ट खाद्य परम्परा को संगठित पहचान देने की दिशा में 'एक जनपद एक व्यंजन' (ओ0डी0ओ0सी0) की अवधारणा को साकार करने की आवश्यकता है। 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना प्रदेश की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ाव रखने वाली होगी। प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में खान–पान की कुछ न कुछ विशिष्ट परम्पराएं हैं। कहीं हलवा अच्छा है, तो कहीं दालमोठ। प्रत्येक जनपद के विशेष व्यंजनों की मैपिंग कर उनकी

गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग, ब्राण्डिग और विपणन को सुदृढ़ किया जाए। 'ओ0डी0ओ0पी0' और 'ओ0डी0ओ0सी0' योजनाएं मिलकर प्रदेश को 'लोकल से ग्लोबल' की दिशा में नई गति देंगी।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि वर्ष 2018 में प्रारम्भ ओ0डी0ओ0पी0 योजना उत्तर प्रदेश के निर्यात और स्थानीय उद्योगों की रीढ़ बन चुकी है। अब तक 1.25 लाख से अधिक टूलकिट तथा 06 हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जा चुका है। 08 हजार से अधिक उद्यमियों को प्रत्यक्ष विपणन सहायता दी गई है। प्रदेश में तीस साझा सुविधा केन्द्र स्वीकृत किए गए हैं। 44 ओ0डी0ओ0पी0 उत्पादों को अब तक जियो टैग प्राप्त हो चुके हैं। ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद प्रतिष्ठित ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। राज्य के कुल निर्यात में इनका योगदान 50 प्रतिशत से अधिक है। ओ0डी0ओ0पी0 योजना को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ओ0डी0ओ0पी0–2.0 केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्थायी रोजगार, स्थानीय उद्यम और निर्यात को नई ऊँचाई देने का सशक्त माध्यम बने। उन इकाइयों और उद्यमियों को आगे बढ़ाने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, जिन्होंने पहले चरण में उत्कृष्ट कार्य किया है, ताकि वे अपने व्यवसाय का और अधिक विस्तार कर सकें। योजनाओं को इस तरह आगे बढ़ाया जाए कि तकनीक, पैकेजिंग, गुणवत्ता और बाजार सहित चारों मोर्चों पर उत्तर प्रदेश के उत्पाद सशक्त रूप में स्थापित हो सकें।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि ओ0डी0ओ0पी0 से जुड़े कॉमन फैसिलिटी सेण्टरों को अब और अधिक उपयोगी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कॉमन फैसिलिटी सेण्टरों के साथ विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि छोटे उद्यमियों को तकनीकी परामर्श, डिज़ाइन, पैकेजिंग और उत्पादन से जुड़ा पूरा सहयोग एक ही स्थान पर सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ओ0डी0ओ0पी0 उत्पादों को केवल पारम्परिक बाजारों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें बड़े रीटेल नेटवर्क और आधुनिक बाजारों से जोड़ा जाए। देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित हो रहे यूनिटी मॉल में ओ0डी0ओ0पी0 योजना को समर्पित केन्द्र बनाए जाएं। सभी प्रतिष्ठित रीटेल नेटवर्क के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वहां उत्तर प्रदेश के उत्पाद प्रमुख रूप से प्रदर्शित हों।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि ओ0डी0ओ0पी0 उत्पादों की गुणवत्ता और पहचान को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से प्रमाणन और ब्राण्ड मूल्य प्रदान किया जाएगा, जिससे वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश के उत्पाद विशिष्ट पहचान बना सकें।

———————————